भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3722
11 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन

3722**. श्री मनीष जायसवालः**
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः
श्री बिभु प्रसाद तराईः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय इस्पात अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशन (एसआरटीएमआई) के अंतर्गत शुरू की गई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान मिशन के तहत विकसित और वाणिज्यिक रूप से उपयोग में लाई गई प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है,
(ग) इसके तहत आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और
(घ) इस मिशन से घरेलू इस्पात उद्योग को क्या लाभ प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (घ): स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) इस्पात उद्योग द्वारा संचालित एक पहल है, जो 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत पंजीकृत है, जिसका उद्देश्य उद्योग, राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान करना है। एसआरटीएमआई द्वारा पिछले 3 वर्षों में अयस्क बेनिफिशिएशन, प्रचालन उत्कृष्टता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अपशिष्ट उपयोग और कार्बन कैप्चर उपयोग और पृथक्करण (सीसीयूएस) के क्षेत्रों में 16 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनके लिए 19 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

*****